MSA-E311

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर - 2022

विषयः संस्कृतम्

विवरणः ***शास्त्रीयं वाङ्मयम्***

समयः होरात्रयम् *पूर्णांकः* 70

निर्देशः यह प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

प्रथमं खण्डम्

केवल पांच प्रश्न करने हैं। $5 \times 6 = 30$

1. *"विद्याविनयहेतुरिन्द्रियरजयः कामकोधलोभमानमदहर्षत्यागात्कार्यः ।" इसकी संक्षिप्त व्याख्या करें।*
2. *"चार प्रकार की विद्याएं हैं।" कौटिल्य के अनुसार व्याख्या कीजिए।*
3. *"अर्थ एव प्रधानम्" इति कौटिल्यः , "अर्थमूलौ हि धर्मकामाविति।" इसकी संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।*
4. *दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वा दण्ड एवाभिरक्षति।*

   दण्डः सुप्तेषु जागर्ति दण्डं धर्मं विदुर्बुधाः ।। इसकी व्याख्या करें।
5. *वर्जयेत् मधु मांसं च गन्धं माल्यं रसान् स्त्रियः ।*

   शुक्तानि यानि सर्वाणि प्राणिनां चैव हिंसनम्।।

की व्याख्या कीजिए।

6. *तस्मात् बाह्यमधिष्ठानं कृत्वा चार्ये चतुर्विधे।*

   शौचाशौचममात्यानां राजा मार्गेत सन्निधिः ।।

   की व्याख्या कीजिए।

7. *कौटिल्य के मतानुसार गूढपुरुषों की नियुक्ति बताएं।*
8. *याज्ञवल्क्यस्मृति पर प्रकाश डालिए।*
9. *कोधज व्यसन कौन कौन से हैं।*
10. *दुर्ग कितने प्रकार के होते हैं संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।*

दीर्घोत्तरीय प्रश्न

केवल चार प्रश्न करने हैं। $4 \times 10 = 40$

1. *कौटिल्य के मतानुसार दण्ड की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।*
2. *कौटिल्य के मतानुसार मन्त्रियों की नियुक्ति किस प्रकार की जानी चाहिए।*
3. *इन्द्रानिलयमार्काणामग्नेश्च वरुणस्य च।*
   चन्द्रवित्तेशयोश्चैव मात्रा निहृत्य शाश्वतीः ।। के अनुसार राजा की नियुक्ति पर प्रकाश डालिए।
4. *मनुस्मृति के अनुसार धर्म की विशद व्याख्या कीजिए।*

5. दायभाग में स्त्री के अंश का प्रतिपादन कीजिए।
6. याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार राजा के व्यवहार पर प्रकाश डालिए।
7. षाड्गुण्य की विवेचना कीजिए।
8. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मनुस्मृति की उपयोगिता पर निबन्ध लिखें।